आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 60 | उज्जैन, सोमवार 20 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' में रातापानी टाइगर रिजर्व का किया उल्लेख

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम की 118वीं कड़ी में मध्यप्रदेश में हाल ही में जुड़े रातापानी टाइगर रिजर्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और विरासत आस-पास के पशु-पक्षियों के साथ स्नेह से रहना सिखाती है। देश में दो नए टाइगर रिजर्व की शुरुआत वनस्पति और जीव जगत के संबंधों को अधिक समृद्ध करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत में बन रहे नए स्टार्टअप सेंटर्स के अंतर्गत देश के 7 शहरों में ग्वालियर का भी उल्लेख किया। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया के 9 साल पूरे होने पर कहा कि स्टार्टअप कल्चर केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, अपितु इसका विस्तार टायर-2 और टायर-3 शहरों में भी हो रहा है। इन शहरों के स्टार्टअप में आधे से ज्यादा नेतृत्व बेटियां कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री यादव ने अर्जुन अवार्डी श्री कपिल परमार को किया प्रोत्साहित मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 118वें संस्करण का वाजपेई नगर ईदगाह हिल्स भोपाल स्थित योग केन्द्र में स्थानीय रहवासियों के साथ श्रवण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सीहोर के अर्जुन अवार्डी खिलाड़ी श्री कपिल परमार ने प्राप्त मेडल के साथ भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने श्री कपिल परमार को हाल ही में सम्मानित किया था।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मताधिकार के उपयोग और सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेने का किया आहवानप्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों को गणतंत्र दिवस की अग्रणी शुभकामनाएं दीं और संविधान सभा के सदस्यों के विचारों को उनकी ही वाणी में सुनवाया। उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के संबंध में देशवासियों से अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रयागराज में जारी महाकुंभ के साथ ही पुष्करम् और गंगासागर मेला का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सामाजिक मेल-जोल सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने स्पेस टेक्नॉलॉजी में स्थापित हो रहे नए कीर्तिमान के लिए वैज्ञानिकों को शुभकामनाऐं दीं।

इसरो के नाम एक और उपलब्धि, विकास लिक्विड इंजन पुन: चालू करने में मिली सफलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग कराकर इतिहास रचने के बाद फिर कमाल किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि महेंद्रगिरि में प्रोपल्शन कांप्लैक्स के परीक्षण केंद्र में विकास तरल इंजन को फिर से चालू करने संबंधी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया किया।

इसरो ने क्या कहा- विकास इंजन का उपयोग राकेटों के तरल चरणों (लिक्विड स्टेज) में किया जाता है। इसरो के बयान के अनुसार, यह परीक्षण 17 जनवरी को किया गया। यह परीक्षण प्रौद्योगिकियों के विकास में मील का पत्थर है। विभिन्न परिस्थितियों में इंजन को फिर से शुरू करने के लिए परीक्षण किए जा रहे हैं। विकास इंजन पीएसएलवी, पीएसएलवी रॉकेट की पेलोड क्षमता में सुधार करेगा।

विकास इंजन को बंद कर पुनः चालू किया गया- परीक्षण के दौरान इंजन को 60 सेकंड के लिए चालू किया गया फिर इसे 120 सेकंड के लिए बंद किया गया, फिर चालू किया गया। परीक्षण के दौरान इंजन के सभी मानक अपेक्षा के अनुरूप थे। इससे पहले पिछले वर्ष दिसंबर में भी परीक्षण किया गया था। इसके अलावा, इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शुक्रवार को इसरो के एलवीएम3 राकेट के कोर लिक्विड स्टेज को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अतुल सुभाष की आखिरी निशानी को अपने पास रखना चाहती हैं मां, नाबालिग बेटे की कस्टडी को लेकर होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले बेंगलुरु के इंजीनियर अतुल सुभाष की मां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। अतुल सुभाष की मां ने अपने पौत्र की कस्टडी की मांग करते हुए याचिका दायर की है।

अतुल सुभाष अपने घर में फांसी पर लटके मिले थे- जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ अंजू देवी की याचिका पर सुनवाई कर सकती है, जिन्होंने अपने चार वर्षीय पौत्र की कस्टडी की मांग करते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है।

गौरतलब है कि पिछले साल नौ दिसंबर को बेंगलुरु के मुन्नेकोलालु में अतुल सुभाष अपने घर में फांसी पर लटके मिले थे। सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में पत्नी और ससुराल वालों को यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने का दोषी ठहराया था।

बहू ने बच्चे का पता उनसे छिपा रखा- पिछली सुनवाई के दौरान, सुभाष की अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया की ओर से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि बच्चा हरियाणा के एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रहा है।

सीएम सरमा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2025 के लिए किया आमंत्रित, गृह मंत्री अमित शाह से भी की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार शाम को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अप्रैल में आयोजित होने वाले श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2025 में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति ने इस कार्यक्रम में शामिल होने और प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर किया।

बाद में एक्स पर हुए डॉ. सरमा ने लिखा, मुझे माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मिलने का सौभाग्य मिला। मैं माननीय राष्ट्रपति का बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने हमारे राज्य का दौरा करने और अप्रैल 2025 में श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान करने का निमंत्रण स्वीकार किया। उनके बहुमूल्य समय और मार्गदर्शन की मैं वास्तव में सराहना करता हूँ। इस पुरस्कार का नाम असम के महान वैष्णव संत और सुधारक श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर रखा गया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। साथ ही डॉ. सरमा ने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2025 के बैडमिंटन मैच को देखने के लिए केडी जाधव इंडोर स्टेडियम का भी दौरा किया। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जो एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

बीएआई ने अपनी आधिकारिक साइट पर कहा, बीएआई के अध्यक्ष हिमंत बिस्वा सरमा ने योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2025 में भाग लिया, बैडमिंटन की भावना का जश्न मनाया और खेल के सितारों का समर्थन किया।

महाकुंभ में भीषण आग- 3 सिलेंडर फटे, 25 टेंट जलकर खाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ मेला क्षेत्र में रविवार को भीषण आग लग गई। ये आग शास्त्रीय ब्रिज के नीचे सेक्टर 19 के इलाके में लगी। बताया जा रहा है कि खाना बनाते समय टेंट में आग लगी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

उधर, सीएम योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीएम मोदी ने भी सीएम योगी से फोन पर बात की और मामले की जानकारी ली।

जानकारी के मुताबिक, शाम करीब चार बजे सेक्टर 16 स्थित दिगंबर अनी अखाड़ें में प्रसाद बनाया जा रहा था। इसी दौरान भीषण आग लग गई। टेंट में रखे तीन सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गए। 20 से 25 टेंट खाक हो गए।

जानकारी मिलते ही मौके पर फायर बिग्रेड की टीम पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद आग को बुझाने में टीम को सफलता मिली। भीड़ अधिक होने के कारण दमकल को पहुंचने में समय लगा। पूरे महाकुंभ मेला में अलर्ट जारी कर दिया गया।

हरिराम त्रिपाठी व देवेंद्र त्रिपाठी शांतनु निवासी दारागंज के मेले में घूम रहे थे। इस दौरान एक शिविर से धुआं उठते देखा। इसके बाद यह लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह सिलेंडर निकालकर बाहर फेंकने लगे। इस दौरान तीन सिलेंडर ब्लास्ट हुए।

गोवा में पैराग्लाइडिंग के दौरान बड़ा हादसा, पुणे की महिला और ट्रेनर गहरी खाई में गिरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा में पैराग्लाइडिंग करते समय एक 27 वर्षीय महिला पर्यटक और उसके इंस्ट्रक्टर की खाई में गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना शनिवार शाम केरी गांव में हुई।

पुणे की रहने वाली है महिला- पुलिस ने बताया कि महिला पुणे की रहने वाली शिवानी दाबले और उनके प्रशिक्षक नेपाली नागरिक सुमल नेपाली (26) की शाम करीब 5 बजे केरी पठार पर दुर्घटना में मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि दाबले अवैध रूप से संचालित एक एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी के साथ पैराग्लाइडिंग कर रही थीं।

मन की बात में पीएम मोदी ने की महाकुंभ पर चर्चा, एकता, समता–समरसता का बताया संगम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'महाकुंभ' को एकता और समता-समरसता का असाधारण संगम करार दिया। उन्होंने कहाकि हजारों साल से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 118वीं कड़ी और साल 2025 की पहली कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहाकि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व से जुड़ जाती है तो उसकी सभ्यतागत जड़ें और मजबूत होती हैं। तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है। मोदी ने 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेले' का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पर्व सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने कहाकि ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहाकि कुंभ में दक्षिण, पश्चिम और हर कोने से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें यह भी बताता है कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। उन्होंने कहा कि इस बार कुंभ में युवाओं की भागीदारी बहुत व्यापक रूप में नजर आई है। उन्होंने कहाकि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है। हाल के दिनों में उन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि आज हमारा देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है क्योंकि ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है।

उन्होंने कहाकि इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। मैं संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन करता हूं, जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान संविधान सभा में बहस के दौरान बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, राजेन्द्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संबोधनों के ऑडियो क्लिप का कुछ अंश भी सुनाया।

10 करोड़ की बुलेट प्रूफ बस, हाईटैक हेलीकॉप्टर... ट्रैवल के लिए किन साधनों का इस्तेमाल करते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कल यानी 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह काफी रॉयल होने वाला है। इसके लिए उन्होंने कई देशों के प्रमुख समेत कई बड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया है।

अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी हो जाएगी। यही नहीं, ट्रंप जब भी किसी यात्रा पर जाएंगे तब भी वो हाईटेक वाहनों का इस्तेमाल करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के वाहनों की सूची में एक से बढ़कर एक बख्तरबंद गाड़ियां और जहाज हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के पास यात्रा करने के लिए विकल्पों की कोई कमी नहीं है, एयर फोर्स वन और मरीन वन से लेकर कैडिलैक वन तक... आसमान से लेकर जमीन तक सब कुछ हाईटेक है।

क्यों खास है ग्राउंड फोर्स वन- ग्राउंड फोर्स वन 45 फुट लम्बी बुलेट प्रूफ बस है जिसे विशेष रूप से सीक्रेट सर्विस द्वारा डिजाइन किया गया है।

कैडिलैक वन कार की तरह ही अमेरिकी राष्ट्रपति की ग्राउंड फोर्स वन भी जेट ब्लैक रंग की होती है।

सीक्रेट सर्विस ने ग्राउंड फोर्स वन को टेनेसी स्थित कंपनी हेमफिल ब्रदर्स कोच से लगभग 10 करोड़ में खरीदा है।

इस बस में सुरक्षा संबंधी सभी सावधानियां बरती गई हैं, जिनमें टायर न फटें इसकी सुरक्षा, बख्तरबंद बाहरी हिस्सा और भारी रूप से मजबूत शीशे शामिल हैं।

ग्राउंड फोर्स वन में अग्नि शमन प्रणाली, रासायनिक हमले की स्थिति में सांस लेने योग्य हवा उपलब्ध कराने के लिए ऑक्सीजन टैंक और घायल होने की स्थिति में राष्ट्रपति के लिए ब्लड की अतिरिक्त आपूर्ति भी उपलब्ध है।

सुरक्षा सुविधाओं के अतिरिक्त, बस में फोन, टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट सहित कार्यालय उपकरणों का पूरा सेट उपलब्ध है।

चूंकि बस के आगे वाली खिड़की को छोड़कर बाकी सभी खिड़कियों पर गहरा रंग चढ़ा हुआ है, इसलिए भीड़ की ओर हाथ हिलाने के लिए राष्ट्रपति को ड्राइवर के बगल में खड़ा होना पड़ता है।

बस से परिवहन व्यवस्था भी आसान हो जाती है, क्योंकि राष्ट्रपति एयर फोर्स वन से ग्राउंड फोर्स वन तक तुरंत जा सकते हैं।

बता दें कि ग्राउंड फोर्स वन की खरीद से पहले सीक्रेट सर्विस हर बार जब राष्ट्रपति को जरूरत होती थी, एक नई बस किराए पर लेती थी और फिर उस बस को कवच प्लेटिंग और अन्य सुरक्षा सुविधाओं से मॉडिफाई करती थी।

मरीन वन बनाता है हवाई यात्रा सुरक्षित- अमेरिकी राष्ट्रपति जब भी कोई सीक्रेट मीटिंग या खास यात्रा के लिए जाते हैं, तो वो मरीन वन हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं। मरीन वन अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए उपयोग होने वाला अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर है।

आखिरकार इजरायल-हमास में खत्म हुआ युद्ध, गाजा में सीजफायर लागू; पीएम नेतन्याहू बोले- मिल गई बंधकों की लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जंग के 15 महीने बाद सीजफायर लागू हो गया है। इसमें तय समय से करीब 3 घंटे की देरी हुई है। गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता लगभग तीन घंटे की देरी के बाद आज से शुरू हुआ, जिससे 15 महीने पुराना युद्ध रुक गया।

इजरायल ने हमास पर सीजफायर की शर्तों को पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि हमास ने आज रिहा होने वाले 3 इजराइली बंधकों के नाम नहीं दिए हैं। अब

हमास ने आज रिहा होने वाले बंधकों की सूची इजराइल को भेज दी है।

सीजफायर के बाद बड़े बदलाव- इस वजह से मध्य पूर्व में तबाही और राजनीतिक परिवर्तन आया है। गाजा में निवासियों और एक चिकित्सा कर्मचारी ने कहा कि उन्होंने इसे अंतिम रूप से लागू होने से लगभग आधे घंटे पहले से कोई नई लड़ाई या सैन्य हमले के बारे में नहीं सुना है।

हमास ने सौंपी बंधकों की लिस्ट- फलस्तीनी चिकित्सकों ने इसको लेकर कहा कि जब युद्धविराम शुरू होना था और पर यह वास्तव में प्रभावी हुआ। इस बीच इजरायली हवाई हमलों और तोपखाने के हमलों में 13 फलिस्तीनियों की मौत हो गई।

फलस्तीनी आतंकवादी समूह की तरफ से समझौते के तहत रिहा किए जाने वाले पहले तीन बंधकों के नामों की लिस्ट में न करने में विफल रहने के बाद इजरायल ने देरी के लिए हमास को दोषी ठहराया।

हमास ने देरी के लिए तकनीकी कारणों को जिम्मेदार ठहराया, बिना यह बताए कि वे क्या थे। इस बीच एक फलस्तीनी अधिकारी ने कहा, देरी इसलिए हुई क्योंकि मध्यस्थों ने युद्धविराम के प्रोसेस से पहले 48 घंटे की शांति मांगी थी, लेकिन समय सीमा समाप्त होने तक इजरायली हमले जारी रहे, जिससे लिस्ट भेजना मुश्किल हो गया।

फावड़ा, तानाशाह का लेटर; तस्वीरों में देखें यूक्रेन में किम जोंग के सैनिकों के पास मिलीं अजीब चीजें

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेनी सैनिकों ने खुलासा किया उत्तर कोरियाई सैनिकों के बैग में मिली चीजों में फावड़ा, रूसी रायफल और तानाशाह किम जोंग उन के भावुक लेटर हैं। किम जोंग के लेटरों से समझा जा सकता है कि कोरियाई सैनिकों पर भावनात्मक दबाव बनाया जा रहा है।

कोरियाई सैनिकों की मनोदशा- यूक्रेन ने कहा कि युद्धक्षेत्र में उत्तर कोरियाई सैनिकों के बैग से मिले दस्तावेजों से किम जोंग उन के सैनिकों के बारे में बेहतर जानकारी मिल पा रही है। उनकी मनोदशा समझी जा रही है।

युद्ध में उत्तर कोरिया को भारी नुकसान- वाशिंगटन पोस्ट ने उत्तर कोरियाई सैनिकों के पास मिली चीजों पर रिपोर्ट जारी की है। बताया कि अपने तानाशाह से अत्यधिक प्रेरित, संगठित, अच्छी तरह से प्रशिक्षित और रूसी सेना के मुकाबले बेहतर सुसज्जित हैं। हालांकि उन्हें युद्ध में भारी क्षति का सामना करना पड़ रहा है।

कोरियाई सैनिकों के बैग से क्या निकला- कोरियाई सैनिकों के बैग से शरीर सुरक्षा कवच, उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स, सैन्य पहचान पत्र, एक फावड़ा, एक यूक्रेनी निर्मित चाकू और दो आधुनिक रूसी असॉल्ट राइफलें मिली हैं।

पिग्मी सीहॉर्स से लेकर मछली की नाक में रहने वाले परजीवियों तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज हम आपको पिग्मी समुद्री घोड़े यानी पिग्मी सीहॉर्स से जुड़े कुछ दिलचस्प तथ्य बताते हैं। पिग्मी सीहॉर्स दुनिया के सबसे छोटी मछलियों में से एक है। इनका आकार नाखून जितना होता है। इनकी खोज 1969 में की गई थी, इन्हें क्रिचर्स के बारे में बहुत कम जानकारी थी। ये मछली की नाक में रहते हैं।

2000 की शुरुआत में ब्रिटिश समुद्री जीवविज्ञानी रिचर्ड स्मिथ ने अपने पीएचडी रिसर्च को इंडोनेशिया के सुलावेसी में पाई जाने वाली प्रजाति डेनिस पिग्मी सीहॉर्स पर केंद्रित करने का फैसला किया। तभी उन्होंने एक असाधारण रिसर्च की।

पिग्मी सीहॉर्स की खोज वैज्ञानिक जॉर्ज ब्रैगिबेंट ने की थी। उन्होंने गोरगोनियन समुद्री पंखे की जांच करते समय इनकी खोज की थी।

ये समुद्री घोड़े जीवन भर सेक्स करने के लिए भी पॉपुलर हैं, हफ्तों तक तीन मेल और एक फीमेल के बारे में रिसर्च करने के बाद, स्मिथ ने पाया कि छोटी प्रजाति की सेक्स लाइफ ज्यादा रंगीन हो सकता है। एक मेल के साथ छेड़खानी करने के बाद फीमेल उसे प्रेग्नेंट कर देती है। लगभग छह दिन बाद, एक और पुरुष आएगा और वह उसे भी गर्भवती कर देगी।

बच्चों से मिलना चाहता है सीमा हैदर के पूर्व पति, भारत सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा हैदर के पूर्व पति गुलाम हैदर ने भारत सरकार से अपील की है कि वह उसे अपने बच्चों से मिलने और हिरासत हासिल करने में मदद करे। सीमा मई 2023 में बच्चों को लेकर नेपाल के रास्ते भारत आई थी। वह जुलाई में तब सुर्खियों में आई जब भारतीय अधिकारियों ने उसे ग्रेटर नोएडा में 27 वर्षीय भारतीय नागरिक सचिन मीना के साथ रहते हुए पाया। वह दावा करती है कि उसने शादी कर ली है।

गुलाम हैदर ने हाल ही में एक वीडियो संदेश में विदेश मंत्री एस जयशंकर से न्याय की अपील की है। दावा किया है कि पाकिस्तानी वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता अंसार बर्नी की मदद से 2023 के अंत से अपने बच्चों की कस्टडी हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

बर्नी ने कहा कि भारतीय वकील अली मोमिन को नियुक्त किया है और भारतीय अदालतों में कानूनी कार्यवाही शुरू करने के लिए पावर आफ अटार्नी भेज दी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मामला शुरू किया गया है या नहीं। हैदर ने कहा कि 2023 से अपने बच्चों को नहीं देखा है।

सीमा हैदर के घर में गूंजेगी किलकारी सीमा हैदर और सचिन ने दिसंबर में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सीमा के प्रेग्नेंट होने की जानकारी दी गई। इसके बाद उनके द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर लोग बधाई दे रहे हैं। हैदर ने कहा कि 2023 से अपने बच्चों को नहीं देखा है।

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह की जगह बदलने से नाराज कई लोग, शामिल नहीं होने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप कल शपथ लेंगे। कड़ाके की ठंड को देखते हुए शपथग्रहण यूएस कैपिटल के बाहर खुली जगह के बजाय कैपिटल रोटुंडा (हाल) में आयोजित किया जाएगा। बताया जा रहा है 40 साल में पहली बार ऐसा होगी कि जगह बदलनी पड़ेगी।

ये जगह पूरी तरह से बंद है, जहां सर्द हवाओं का कहर नहीं होगा और यहां आने वाले लोगों को असहजता नहीं उठानी पड़ेगी। आने वाले दिनों में यहां बर्फबारी और जमा देने वाली सर्दी पड़ने के आसार हैं। जिसमें, उत्तरी मैदानों में हाड़ कंपा देने वाली हवाएं और खाड़ी तट क्षेत्रों में आम समय से ज्यादा बर्फ पड़ने का अनुमान लगाया गया है।

ट्रंप के कार्यक्रम पर उठाए सवाल- जगह में बदलाव के कारण शहर में बार और रेस्टारांट में तमाशा देखने को मिल रहा है।

कई लोगों ने अपनी यात्राएं रद कर दी हैं और इस बात पर शिकायत कर रहे हैं कि आंदोलन के लिए इस तरह के कुलीन लोग मौसम के आगे झुक रहे हैं।

कुछ एमएजीए प्रिंसिपल सुझाव दे रहे हैं कि ट्रम्प को उद्घाटन समारोह को अंदर ट्रांसफर करने के लिए मजबूर होने का असली कारण अत्यधिक सुरक्षा चिंताएं हैं। एक ट्रम्प समर्थक ने एक्स पर लिखा, हेलीकॉप्टर परमाणु अनियमितताओं के लिए क्षेत्र की जांच कर रहे हैं।

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, गैसोलीन टैंकर में विस्फोट से 70 लोगों की मौत; 56 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी नाइजीरिया में एक पेट्रोल टैंकर ट्रक पलट गया, जिससे ईंधन फैल गया और विस्फोट हो गया। इस धमाके में कम से कम 70 लोग मारे गए और अधिक घायल हो गए। इस रिपोर्ट के अनुसार, 70 से अधिक शव बरामद किए गए हैं, 56 व्यक्ति घायल हुए हैं और 15 से अधिक दुकानें नष्ट हो गई हैं।

राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा, घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया जा रहा है, उनके इलाज के लिए हर संभव कोशिश जारी है। नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के हुसैनी ईसा ने बताया कि फ्यूल ट्रांसफर के कारण विस्फोट हुआ, जिसके बाद गैसोलीन ट्रांसफर करने वालों और आसपास खड़े लोगों की मौत हो गई।

गैसोलीन टैंकर में विस्फोट- नाइजर के गवर्नर मोहम्मद बागो ने एक बयान में कहा

राज्य के डिक्को क्षेत्र में कई निवासी गैसोलीन टैंकर से ईंधन निकालने की कोशिश करते समय भीषण आग में फंस गए। बागो ने कहा, कई लोग जलकर मर गए। जो लोग टैंकर के इतने करीब नहीं थे, वे घायल होने के बावजूद बच गए। इस घटना को चिंताजनक, हृदय विदारक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

नाइजर राज्य के संघीय सड़क सुरक्षा कोर सेक्टर कमांडर कुमार त्सुक्राम ने भी इस मामले में अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, रोकने के ठोस प्रयासों के बावजूद ईंधन लेने के लिए लोगों की बड़ी भीड़ जमा हो गई। त्सुक्राम ने कहा कि अग्निशमन कर्मी आग पर काबू पाने में कामयाब रहे।

बांग्लादेश से घुसपैठ कर भारत आया, फिर किया सैफ पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने रविवार तड़के बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान पर चाकू से वार करने वाले हमलावर को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को ठाणे से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी 6 महीने पहले ही बांग्लादेश से मुंबई आया था।

बांग्लादेश से आया भारत- मुंबई पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद के रूप में हुई है। पुलिस ने पुष्टि की कि हमलावर बांग्लादेश से घुसपैठ कर भारत आया था। हमलावर 6 महीने पहले ही बांग्लादेश से मुंबई आया था। वो यहां आकर एक होटल में काम कर रहा था। बांग्लादेश के झालोकाटी जिले का रहने वाला है हमलावर- पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने पैतृक गांव भागने वाला था, जब उसे ठाणे के हीरानंदानी एस्टेट में हिरासत में लिया गया। अधिकारी के अनुसार, जानकारी मिली है कि आरोपी बांग्लादेश के झालोकाटी जिले का मूल निवासी है।

बता दें कि हमलावर के खिलाफ सैफ की 56 वर्षीय स्टाफ नर्स एलेयाम्मा फिलिप ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। यह घटना 16 जनवरी को सुबह 2 बजे के आसपास हुई, जिसके दौरान सैफ अली खान पर चाकू से हमला किया गया और उन्हें गंभीर चोटें आईं। यहां तक कि उनकी रीढ़ की हड्डी पर चाकू से वार भी किया गया।

क्या था आरोपी का इरादा- पुलिस ने कहा कि आरोपी ने चोरी करने के इरादे से अभिनेता सैफ के घर में प्रवेश किया। पुलिस के अनुसार, अपराध की जांच के लिए विभिन्न जांच दल बनाए गए थे और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पीएम मोदी का 2025 तक टीबी खत्म करने का लक्ष्य, आयुष्मान भारत को लेकर जेपी नड्डा ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के छह करोड़ नागरिक आ चुके हैं। यह बीमा कार्यक्रम अब भारत की 45 प्रतिशत आबादी को कवर करता है।

70 वर्ष से अधिक आयु के छह करोड़ लोगों को जोड़ा- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल अक्टूबर में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दी थी।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में हमने आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के छह करोड़ लोगों को जोड़ा है। अब 62 करोड़ से अधिक लोग या देश की 45 प्रतिशत से अधिक आबादी स्वास्थ्य बीमा में नहीं बल्कि पांच लाख रुपये की वार्षिक कवरेज वाली स्वास्थ्य आश्वासन योजना के तहत कवर की गई है।

4.2 करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभ हुआ- आइआइएम अहमदाबाद में आयोजित आइआइएम-ए हेल्थकेयर समिट 2025 में उन्होंने इस योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इससे 4.2 करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभ हुआ है।

कांग्रेस ने लगाया आरोप तो शिवराज सिंह ने किया पलटवार, बोले- कर्नाटक सरकार ने नहीं किया केंद्र से आवंटित धन का उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धन का उपयोग नहीं किया है। केंद्र सरकार द्वारा धन आवंटन में भेदभाव करने के कांग्रेस के आरोप के बारे में उन्होंने कहा, मैं यहां कर्नाटक में हूं और धन की पेशकश कर रहा हूं। कर्नाटक सरकार ने अनुरोध नहीं किया है, लेकिन मैंने फिर भी धन की घोषणा की है।

हमारा ध्यान विकास और लोगों के कल्याण की राजनीति पर- शिवराज- उन्होंने कहा, हमारा ध्यान विकास और लोगों के कल्याण की राजनीति पर है। केंद्र सरकार की कई योजनाएं हैं जिनके तहत कर्नाटक सरकार ने आवंटित धन का उपयोग ही नहीं किया है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता। उन्होंने राज्य सरकार को समय पर धन का उपयोग करने और उसका प्रमाण पत्र जमा करने की अपील की।

गरीब लोगों के लिए 4.68 लाख अतिरिक्त मकान- चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने कर्नाटक में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त 4.68 लाख मकानों को मंजूरी दी है। यह केंद्र द्वारा मूल रूप से स्वीकृत 2.57 लाख मकानों के अतिरिक्त है। उन्होंने कर्नाटक सरकार से आवास परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की। सीमा क्षेत्र विकास योजना के तहत कर्नाटक के लिए 97 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

कर्नाटक लुटेरों का अड्डा बन गया, डर में जी रहे लो, भाजपा बोली- सिद्दरमैया सरकार में कानून व्यवस्था खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बैंक डकैती, गोलीबारी और अन्य गंभीर अपराधों की हालिया घटनाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा ने शनिवार को कहा कि राज्य लुटेरों का जन्नत बन गया है।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने बेंगलुरू के विधान सौध में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिगड़ती कानून व्यवस्था से राज्य की स्थिति खराब हो गई है। यहां के नागरिक लगातार भय में जी रहे हैं। लोगों की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने हाल की घटनाओं का जिक्र किया, जिनमें बीदर में एक एटीएम वाहन कर्मचारी की लूट और हत्या तथा मंगलुरु में बैंक बैक डकैती शामिल है।

कर्नाटक में पुलिस का कोई डर नहीं- उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पुलिस का कोई डर नहीं है। ये घटनाएं दिखाती हैं कि मुख्यमंत्री सिद्दरमैया का पुलिस बल पर कितना कम नियंत्रण है और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी खराब हो गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दूसरे राज्यों से लुटेरे कर्नाटक में आते है, अपराध कर बसों और ट्रेनों के जरिए भाग जाते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में लोगों को खुद की सुरक्षा के लिए छोड़ दिया गया है। पुलिस के पास पिस्तौल नहीं है, जबकि लुटेरे आधुनिक हथियारों से लैस हैं। अशोक ने लव जिहाद, सांप्रदायिक हिंसा और अवैध मवेशी वध जैसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के खिलाफ मैसुरु जमीन घोटाले में ईडी की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने इस कार्रवाई को बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि ईडी की जांच ने मुख्यमंत्री से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार को उजागर किया है।

भाजपा ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरमैया से इस्तीफे की मांग की है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि ईडी की जांच ने सिद्दरमैया से जुड़े महत्वपूर्ण भ्रष्टाचार को उजागर किया है, जिन्होंने अपनी पत्नी के नाम पर अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया था।

सीआरपीएफ को मिला नया डीजी, कौन है असम के डीजीपी जीपी सिंह, जिन्हें सौंपी गई कमान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक के रूप में असम के डीजीपी जीपी सिंह की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नए महानिदेशक के नाम पर मुहर लग गई है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल 30 नवंबर, 2027 तक या अगले आदेश तक रहेगा। वे असम-मेघालय कैडर के 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं।

कौन संभाल रहा कार्यभार- 18 जनवरी को जारी आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 नवंबर, 2027 को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक सीआरपीएफ महानिदेशक के रूप में सिंह की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। 31 दिसंबर, 2024 को अनीश दयाल सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वितुल कुमार बल का कार्यवाहक प्रभार संभाल रहे थे।

कौन हैं डीजीपी जीपी सिंह- जीपी सिंह असम के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत रहे हैं। वह 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत के सबसे बड़े अर्धसैनिक बलों में से एक है और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने और उग्रवाद से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शुरुआत में 27 जुलाई, 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव्स पुलिस के रूप में स्थापित, 85 साल के गौरवशाली इतिहास को चिह्नित करते हुए, 28 दिसंबर, 1949 को सीआरपीएफ अधिनियम पारित होने पर इसे अपना वर्तमान नाम मिला।

दिल्ली-यूपी में शीतलहर से ठिठुरे लोग, कश्मीर-हिमाचल में बर्फबारी का दौर; मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने हाल बेहाल कर दिया है। कोहरा और शीतलहर की वजह से जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान समेत अधिकतर राज्यों में रात से ही घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं हिमाचल के कई जिलों में रविवार को बर्फबारी के आसार हैं।

घना कोहरा रोक रहा रफ्तार- मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में रविवार को आकाश में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। सुबह में स्मॉग के साथ-साथ ज्यादातर जगहों पर मध्यम स्तर का कोहरा व कुछ जगहों पर घना कोहरा हो सकता है। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बुधवार व बृहस्पतिवार को हल्की वर्षा हो सकती है।

बर्फबारी से कश्मीर में ठिठुरन बढ़ी- जम्मू कश्मीर में गुलमर्ग समेत घाटी के कई उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी से तापमान में गिरावट आने के साथ जनजीवन भी अस्त व्यस्त रहा। अनंतनाग-सिंथनटाप-किश्तवाड़ रोड़, बांडीपोरा-गुरेज, कुपवाड़ा-करनाह और पुंछ में मुगल रोड के अलावा कई संपर्क मार्ग यातायात के लिए बंद रहे। मौसम विभाग के अनुसार 20 से 23 जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते मौसम पर बिगड़ेगा। कई इलाकों में बर्फबारी व बारिश हो सकती है। तेज रफ्तार में वाहन नहीं चलाने और पहाड़ी सड़कों पर यात्रा से बचने को कहा गया है।

शीतलहर के कारण बढ़ता सकता है हार्टअटैक का खतरा- इन दिनों पूरा मालवांचल शीतलहर के आगोश में है। यह मौसम कई लोगों को लुभावना लगता है, लेकिन कम उम्र के बच्चों और अधिक उम्र के बुजुर्गों के साथ-साथ मरीजों के लिए यह मौसम जानलेवा भी बन जाता है। खासतौर पर इन दिनों हार्टअटैक के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण सप्तमी

संपादकीय

समय कीमती है, हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए....

समय कीमती है. हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। सभी विषयों के नियमित अध्ययन के लिए एक उचित कार्यक्रम बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। कोई भी विषय कठिन नहीं है. हां, विषय और पाठ्यक्रम के अनुसार इसे कम या ज्यादा समय देना बहुत जरूरी है। इसलिए सुबह, दोपहर या रात को अलग-अलग विषयों के बीच समय बांट लेना चाहिए। नया साल आ गया है. विद्यार्थी जीवन में नववर्ष का बहुत महत्व होता है। कड़ी मेहनत करने के लिएनई सोच के साथ सफलता की नई उड़ान भरने के लिए अभी से तैयार रहना चाहिए। विद्यार्थी सीधे तौर पर पढ़ाई से जुड़े होते हैं, इसलिए उन्हें अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और वार्षिक एवं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी से कदम उठाने चाहिए। हर बच्चे का सपना होता है कि वह परीक्षा में अच्छे अंक लाए और मेरिट में आए, लेकिन यह करिश्मा कड़ी मेहनत से ही हासिल किया जा सकता है। कड़ी मेहनत से विद्यार्थियों के सिर पर सफलता का ताज सजता है। याद रखें, कड़ी मेहनत से हमारे पसीने की बूंदें मोती बनती हैं प्री-बोर्ड परीक्षाकी तैयारी हर साल की तरह इस साल भी जनवरी महीने में शिक्षा विभाग की ओर से छात्रों की प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं. वार्षिक परीक्षाएँ भी याद आती हैं। इस समय विद्यार्थियों को पढ़ाई में व्यस्त रहना चाहिए। छात्रों को याद रखना चाहिए कि प्री-बोर्ड परीक्षाएं महत्वपूर्ण हैं। उनके अंक भी वार्षिक परिणाम में गिने जाते हैं। इन परीक्षाओं की गहन तैयारी से वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी आसान हो जाती है। बोर्ड परीक्षा के डर से छुटकारा पाएंजाता है और छात्रों को उनके प्रयास के स्तर का पता चलता है। ठंड के मौसम में ज्यादा खेलने से बचना चाहिए। बोर्ड परीक्षाएं प्रारम्भ पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने पांचवीं, आठवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं की घोषणा कर दी है। ये परीक्षाएं फरवरी महीने में शुरू हो रही हैं. छात्रों को बिना किसी देरी के अपनी कक्षा के विषयों की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। अपनी डेटशीट तिथियों के अनुसार प्रत्येक विषय की तैयारी शुरू करेंयह किया जाना चाहिए।

लोगों को तथाकथित %वेले दे राग, कुवेले के टक्कर% से सीख लेकर अपने समय का ख्याल रखना चाहिए। एक उपयुक्त शेड्यूल बनाएं समय कीमती है. हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए। सभी विषयों के नियमित अध्ययन के लिए एक उचित कार्यक्रम बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। कोई भी विषय कठिन नहीं है. हां, विषय और पाठ्यक्रम के अनुसार इसे कम या ज्यादा समय देना बहुत जरूरी है। इसलिए सुबह, दोपहर या रात को अलग-अलग विषयों के बीच समय बांट लेना चाहिए। सुबह जल्दी पढ़ने की आदत डालें पढ़नाहर समय उपयुक्त है जिन बच्चों में पढ़ने का शौक होता है वे अपना समय बर्बाद नहीं करते। ऐसे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाते हैं। छात्रों को स्कूल और घर पर पढ़ाई का मौका नहीं चूकना चाहिए। सभी विषयों का सिलेबस तनाव मुक्त होकर कवर करना चाहिए। पढ़ाई के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय हमारा दिमाग तरोताजा रहता है। वातावरण शांत एवं रचनात्मक है। इस समय किए गए कार्य सदैव फलीभूत होते हैं।

इसलिए विद्यार्थियों को सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करने की आदत बनानी चाहिएचाहिए कठिन विषयों की तैयारी सुबह या सुबह जल्दी करना बहुत फायदेमंद होता है। पेपर पैटर्न को समझें छात्रों के लिए अपने पेपर पैटर्न को समझना बहुत जरूरी है। प्रत्येक छात्र को उनकी कक्षा के अनुसार दिए गए विषयों का पेपर पैटर्न भी अलग-अलग होता है। कई छात्र बहुत अच्छे से पेपर तैयार कर रहे हैं. लेकिन पेपर पैटर्न की पूरी जानकारी न होने के कारण वे परीक्षा के दिन प्रश्नों का उत्तर देते समय गलतियां कर बैठते हैं।

करम सिंह

लांस नायक करम सिंह भारत के दूसरे परमवीर चक्र से सम्मानित व्यक्ति थे। इन्हें यह सम्मान सन 1948 में मिला।

जीवन परिचय

लांस नायक करम सिंह का जन्म 15 सितम्बर 1915 को पंजाब के संगरूर ज़िले के भालियाँ वाले गाँव में हुआ था। 6 वर्ष की उम्र में करम सिंह को स्कूल भेजा गया और पूरी कोशिश के बाद परिणाम यही निकला कि उन्हें पढ़ा पाना किसी के लिए भी असम्भव है। इनके पिता सरदार उत्तम सिंह एक सम्पन्न किसान थे। उन्होंने कोशिश की कि करम सिंह खेती बाड़ी में ही लग जाएँ, लेकिन वहाँ भी इन्हें कामयाबी नहीं मिली। करम सिंह का मन वहाँ भी रमता नज़र नहीं आया और इस तरह वह एक नालायक बच्चे की तरह शुमार किये जाने लगे। दूसरी ओर करम सिंह के मन में साहसिक और रोमांचक ज़िंदगी की ललक थी और इनके चाचा ही इनके आदर्श थे, जो फौज में जूनियर कमांडिंग ऑफिसर थे। अपनी ही तरह की इस तबियत के चलते करम सिंह गाँव में कुश्ती और खेल-कूद के चैंपियन कहे जाते थे।

सेना में भर्ती

अपनी आने वाली ज़िंदगी में जो तमगे इन्हें सचमुच देश भर का सिरमौर बनाने वाले थे, उनकी बुनियाद 15 सितम्बर 1941 को पड़ी। दूसरा विश्व युद्ध पूरे जोर-शोर से जारी था। उन्हीं दिनों फौज की भर्ती का एक मौका उनके गाँव में भी आया, जिसे करम सिंह ने नहीं गँवाया और इस तरह 26 वर्ष की उम्र में करम सिंह एक फौजी बन गए। राँची में बेहद सरलता से अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद इन्हें अगस्त 1942 में सिख रेजीमेंट में लिया गया। वहाँ से ही, करम सिंह ने अपनी धाक एक कुशल नायक के रूप में जमाई और अपने अफसरों को यह आभास दिया कि वह कठिन परिस्थिति में तुरंत ठीक निर्णय लेने की क्षमता रखने वाले सैनिक हैं। करम सिंह ने अपनी पहचान न सिर्फ लड़ाई के मैदान में बनाई, बल्कि खेल के मैदान में भी वह पीछे नहीं रहे। जहाँ बचपन में वह कुश्ती में अपना नाम रखते थे, वहीं फौज में उन्होंने पोल वॉल्ट तथा ऊँची कूद में नाम रौशन किया।

1947 युद्ध

3 जून, 1947 को अंग्रेज़ों ने देश के बंटवारे की अपनी योजना की घोषणा की। उस समय यह देश छोटी-बड़ी रियासतों में बँटा हुआ था। अंग्रेज़ों ने यह प्रस्ताव रखा कि रियासतें, जिस किसी भी बँटे हुए हिस्से, हिंदुस्तान या पाकिस्तान, में मिलना चाहें मिल जाएं या चाहें तो स्वतन्त्र रहने की मर्ज़ी जाहिर करें। लगभग सब रियासतों ने अपना निर्णय लिया। जिन रियासतों ने कहीं भी न मिलना तय किया, जम्मू कश्मीर उनमें से एक रियासत थी, जिसमें महाराजा हरि सिंह की हुकूमत थी। उन्होंने अपनी प्रजा की मर्ज़ी जानने के नाम पर, निर्णय लेने से पहले कुछ समय माँगा जो अंग्रेजों ने दिया। भारत और पाकिस्तान दोनों को इस बीच धैर्य पूर्वक इंतजार करना था। भारत उस समय बंटवारे की समस्याओं में उलझा हुआ था, इसलिये वह तो उस ओर से खामोश था ही, लेकिन पाकिस्तान तो जम्मू कश्मीर पर आँख गड़ाए बैठा था। उसे लगता था कि मुस्लिम आबादी तथा सीमा के हिसाब से जम्मू कश्मीर उसे ही मिलना चाहिये। पाकिस्तान इस इन्तजार में बेचैन हो गया। उसने जम्मू कश्मीर को हमेशा से मिलने वाली राशन, तेल, नमक, किरोसिन आदि की सप्लाई बंद करदी। उसका इरादा राजा हरि सिंह पर दबाब डालना था। उसके बाद उसने 20 अक्टूबर, 1947 को जम्मू कश्मीर पर सब तरफ से हमला कर दिया। कश्मीर ने भारत से मदद माँगी तो भारत ने कहा कि चूँकि कश्मीर स्वतंत्र रहना चाहता है, इसलिए उसका बीच में पड़ना ठीक नहीं है। इस पर घबराकर हरि सिंह ने यथास्थिति बनाए रखते हुए भारत के साथ जुड़ने का प्रस्ताव पत्र लिखा जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया। अब लड़ाई भारत और पाकिस्तान की हो गई। भारत इस तरफ अकेला था और पाकिस्तान को ब्रिटिशराज के फौजी और नागरिक, अधिकारियों का गुप-चुप हौसला था। भारत इस युद्ध का हिस्सा 28 अक्टूबर से बना और उसे यह लड़ाई एक साथ कई मोर्चों पर लड़नी पड़ी। मेजर सोमनाथ शर्मा रणभूमि में शहीद हो गये थे जबकि लांस नायक ने न केवल फ़तह हासिल की, बल्कि अपनी टुकड़ी की जान भी सलामत रखी।

निधन

जम्मू कश्मीर का युद्ध ही उनकी बहादुरी की कहानी नहीं कहता बल्कि उसके पहले वे दूसरे विश्व युद्ध में भी अपनी वीरता का परचम लहरा चुके थे जिसके लिए इन्हें 14 मार्च 1944 को सेना पदक मिला और इस सम्मान के साथ ही इन्हें पदोन्नति देकर लांस नायक भी बनाया गया। देश को अपने शौर्य से विजय का इतिहास देकर लांस नायक करम सिंह ने एक लम्बा जीवन जीया और वर्ष 1993 में अपने गाँव में उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। उस समय उनकी पत्नी गुरदयाल कौर उनके साथ थीं।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से नहीं खरीद पाएंगे ये प्रोडक्ट्स, जल्द दिखेगा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का बोल बाला है। छोटी से छोटी खाने पीने की वस्तुओं को खरीदने के लिए आज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सहारा लेते हैं। हालांकि, अब ग्राहक इन प्लेटफॉर्म से बिस्किट, चाय-कॉफी जैसे प्रोडक्ट के 10-20 रुपए वाले छोटे नहीं ऑर्डर कर पाएंगे। ऐसा तुरंत नहीं होगा पर इसको लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

दरअसल, रोजाना इस्तेमाल के सामान (एफएमसीजी) का निर्माण करने वाली कई कंपनियों ने तय किया है कि वे अब छोटी और किफायती पैक को इन क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सप्लाई नहीं करेंगे। इससे लोगों को कुछ हद तक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनियों की मानें तो ये पैक केवल किराना की दुकानों पर उपलब्ध हो सकेगा।

कंपनियां बना रही नए पैक- जानकारी के अनुसार पारले ने क्विक कॉमर्स कंपनियों के लिए पारले-जी, हाइड एंड सीक, क्रैक जैक जैसे बिस्किट के अलग पैक लॉन्च किए हैं, जिसकी कीमत 50-100 रुपए के बीच में है। पारले बिस्किट के अब 30 रुपए तक दाम वाले पैक केवल किराना के दुकानों पर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा रिलायंस और डीमार्ट जैसी रिटेल चेन 120 से 150 रुपये की कीमत वाले बिस्किट के पैक बेचेंगे। इसी के साथ आईटीसी ने क्विक कॉमर्स के लिए एंगेज परफ्यूम, सेवलॉन हैंडवॉश और मंगलदीप अगरबत्ती के कई अलग पैक लॉन्च किए हैं। वहीं, अदाणी विल्मर कंपनी भी क्विक कॉमर्स के लिए कूकिंग ऑयल के नए पैक लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

आखिर क्यों लिया गया ऐसा फैसला

माना जा रहा है कि देश में ऑनलाइन ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का बोलबाला बढ़ रहा है। इस वजह से किराना के दुकानदारों को काफी घाटा हो रहा है। किराना स्टोर के मालिक इसके खिलाफ आवाज उठा रहे थे। इसी विरोध को देखते हुए एफएमसीजी कंपनियां ने ये फैसला लेने की तैयारी की है। अब ये कंपनियां क्विक कॉमर्स के लिए विशेष पैकेजिंग कर रही हैं। ऐसे पैकेज के दान किराना स्टोर पर मिलने वाले पैक से अधिक होंगे।

ट्रंप के नए कॉइन ने क्रिप्टो मार्केट में मचाया तहलका, कुछ ही घंटे में 220त्न उछला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जनवरी को राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने $TRUMP मीम कॉइन की घोषणा के साथ क्रिप्टो करेंसी बाजार को हिला दिया है। $TRUMP मीम कॉइन का मार्केट कैप 220 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तेजी से बढ़ा, जो घंटों के भीतर 4.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप ने सिक्का को अपने आधिकारिक ट्रंप मीम के रूप में पेश किया। सिक्का ट्रंप के प्रतिष्ठित फाइट, फाइट, फाइट नारे से प्रेरित है, जिसे उन्होंने एक कैंपेन रैली में हत्या के प्रयास से बचने के बाद गढ़ा था।

उन्होंने संदेश के साथ क्रिप्टो कॉइन खरीदने के लिए एक लिंक जोड़ा, ÷यह वह सब कुछ मनाने का समय है, जिसके लिए हम खड़े हैं- जीतना! मेरे बहुत खास ट्रंप समुदाय में शामिल हों। अब अपना ज्ञत्रस्क्क प्राप्त करें।

सोलाना नेटवर्क पर लॉन्च किए गए टोकन ने विशेष रूप से सोशल मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों से बहुत ध्यान आकर्षित किया। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सिक्के का ट्रेडिंग वॉल्यूम . 1 बिलियन के करीब था और सिक्के की कीमत . 0.18 की शुरुआती कीमत की तुलना में . 7.1 पर आ गई। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने आगामी दूसरे कार्यकाल के दौरान कई क्रिप्टो-मुद्रा नीतियों को पारित कर सकते हैं।

इन शेयर ने सप्ताहभर में ही किया मालामाल, रॉकेट बने भाव, कीमत 20 से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेनी स्टॉक में अस्थिरता के कारण पैसे लगाना काफी जोखिम भरा होता है। इस तरह के स्टॉक की कीमत बेहद ही कम होती है और इस तरह की कंपनी का मार्केट कैप बहुत कम होता है। 17 जनवरी को खत्म हुए हफ्ते में बेंचमार्क सेंसेक्स में 0.98त्न की गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट के बावजूद सात पेनी शेयरों में 10% से 27त्न के बीच बढ़त दर्ज की गई। इन शेयरों की कीमत 20 रुपये से कम है।

जूलियन एग्रो इंफ्राटेक लिमिटेड- जूलियन एग्रो इंफ्राटेक लिमिटेड के शेयर बीते शुक्रवार को 7% चढ़कर 12.68 रुपये पर आ गए। पांच दिन में यह शेयर 10 रुपये से बढ़कर 27% तक चढ़ गए।

रजनीश रिटेल - रजनीश रिटेल के शेयर बीते शुक्रवार को 5% चढ़कर 14.07 रुपये पर है। पांच दिन में यह शेयर 22% तक चढ़ गया है। इस दौरान इसकी कीमत 11 रुपये से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया।

नवकार अर्बनस्ट्रक्चर- नवकार अर्बनस्ट्रक्चर के शेयर 7त्न तक चढ़कर 15.73 रुपये पर पहुंच गए। पांच दिन में यह शेयर 17% तक चढ़ा है।

मिष्ठान फूड्स लिमिटेड- मिष्ठान फूड्स लिमिटेड के शेयर बीते शुक्रवार को 2% तक चढ़कर 7.53 रुपये है। पांच साल में कंपनी के शेयर 16त्न तक चढ़ गए।

एवेक्सिया लाइफकेयर- एवेक्सिया लाइफकेयर के शेयर बीते शुक्रवार को 3.43 रुपये बंद हुए थे। पांच दिन में कंपनी के शेयर 15% से अधिक चढ़ गए हैं।

ऊर्जा ग्लोबल लिमिटेड- ऊर्जा ग्लोबल लिमिटेड के शेयर 2% तक चढ़ गए। कंपनी के शेयर 17.45 रुपये पर पहुंचे हैं। पांच दिन में यह शेयर 14त्न से अधिक चढ़ गए।

वनसोर्स इंडस्ट्रीज और वेंचर्स- वनसोर्स इंडस्ट्रीज और वेंचर्स के शेयर 5त्न से अधिक चढ़कर 14.29 रुपये पर बंद हुए थे। पांच दिन में यह शेयर 10% चढ़ गया।

अंबानी की कंपनी को 273 करोड़ का घाटा, 20 पर आया शेयर, निवेशकों की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर अगले सप्ताह फोकस में रहेंगे। कंपनी ने पिछले सप्ताह 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही की घोषणा की। मुकेश अंबानी समर्थित कंपनी ने Q3 FY25 के लिए 273 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 230 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 31 प्रतिशत कम होकर 864 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में यह 1,253 करोड़ रुपये था।। कंपनी के शेयरों में बीते शुक्रवार को 2% तक की गिरावट देखी गई थी और यह शेयर 20.04 रुपये पर आ गए थे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन द्वारा संयुक्त रूप से नियंत्रित आलोक इंडस्ट्रीज का EBITDA (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) घाटा वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 41.5 करोड़ रुपये रहा, जबकि उसी दौरान EBTIDA घाटा 5.6 करोड़ रुपये था। बीएसई पर आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर आज 20.87 रुपये के पिछले बंद स्तर से 2.06 प्रतिशत कम होकर 20.4 रुपये पर बंद हुए। स्टॉक 20.69 रुपये पर खुला, जबकि इंट्रा-डे में यह क्रमशः 21.29 रुपये के उच्चतम स्तर और 20.20 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया।

एफपीआई ने जनवरी में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉलर की मजबूती, अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और कंपनियों के तिमाही नतीजे कमजोर रहने की आशंका के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार से 44,396 करोड़ रुपये निकाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये डाले थे। घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर तमाम तरह की अड़चनों की वजह से विदेशी निवेशकों के रुख में बदलाव हुआ है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, भारतीय रुपये में लगातार गिरावट ने विदेशी निवेशकों पर काफी दबाव डाला है। यही वजह है कि वे भारतीय बाजार

से अपना निवेश निकाल रहे हैं।

2 जनवरी को छोड़ इस साल हर दिन निकासी- उन्होंने कहा कि इसके अलावा हाल की गिरावट के बावजूद भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन, कमजोर तिमाही नतीजों की संभावना, आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को लेकर अनिश्चितता निवेशकों को प्रभावित कर रही है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (17 जनवरी तक) अबतक भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 44,396 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो जनवरी को छोड़कर इस महीने के सभी दिन एफपीआई बिकवाल रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, एफपीआई की लगातार बिकवाली की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है। डॉलर सूचकांक 109 से ऊपर है और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल 4.6 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे में एफपीआई का उभरते बाजारों में बिकवाली करना तर्कसंगत है, खासकर सबसे महंगे उभरते बाजार भारत में।चूंकि अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल आकर्षक बना हुआ है, ऐसे में एफपीआई ऋण या बॉन्ड बाजार में भी बिकवाली कर रहे हैं। उन्होंने बॉन्ड बाजार में सामान्य सीमा के तहत 4,848 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,176 करोड़ रुपये निकाले हैं। कुल मिलाकर यह रुझान विदेशी निवेशकों के सतर्क रुख को दर्शाता है, जिन्होंने 2024 में भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इससे पहले 2023 में एफपीआई का भारतीय शेयरों में निवेश 1.71 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकाले थे।

100 से कम के ये 4 शेयर आपको अगले हफ्ते दे सकते हैं तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमित बागड़िया ने सोमवार को 100 रुपये से कम के कुछ अच्छे शेयरों में खरीदारी की सलाह दी है। इनमें आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स, सागरदीप अलॉयज, मेडिको रेमेडीज और लॉयड्स इंजीनियरिंग वर्क्स शामिल है।सुमित बगड़िया ने आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स को 54.89 में खरीदने की सलाह दी है।

इसका टार्गेट प्राइस 59 रुपये का रखा है। जबकि, स्टॉप लॉस 53 पर लगाने की सिफारिश की है।

बगड़िया ने सागरदीप अलॉयज को 33.91 को खरीदने की सलाह दी है। इसके लिए टार्गेट 36.5 का रखा है और स्टॉपलॉस 32.5 पर लगाने की सिफारिश की है।

बगड़िया ने मेडिको रेमेडीज को 65.52 में खरीदने और टार्गेट 70 का रखने की सलाह दी है। इसके लिए स्टॉप लॉस 63 का रखा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश

डवा में इमाम के बेटे को भाया सनातन का रास्ता, मुस्तफा चिश्ती बने मारुति नंदन

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की भामगढ़ मस्जिद में बरसों तक इमाम रहे इकबाल अली के पुत्र आले मुस्तफा चिश्ती ने शनिवार को सनातन धर्म स्वीकार कर लिया। यहां महादेवगढ़ मंदिर में 10 विधि स्नान एवं मुंडन क्रिया पूरी करने के बाद प्रायश्चित यज्ञ में सम्मिलित होने के बाद मुस्तफा ने अपने लिए मारुति नंदन नाम दिया।

शिवलिंग पर जलाभिषेक करके भोलेनाथ शिव का पूजन व हनुमान जी की आरती भी की। उन्होंने कहा कि आत्म जागृति एवं विश्व कल्याण का एक ही मार्ग है- सनातन, इसलिए मैंने बिना किसी जोर-दबाव के स्वेच्छा से सनातन को स्वीकार किया है।सनातक के प्रति थी आस्था

आले मुस्तफा चिश्ती से मारुति नंदन बने युवक ने कहा कि देश-दुनिया की वर्तमान परिस्थितियों में शांति का मार्ग सनातन ही सुनिश्चित कर सकता है, इसलिए वर्षों से मेरी आस्था सनातन के प्रति थी।

कुछ दिनों पहले फिरोज से राहुल बने एवं इमरान से ईश्वर बने युवक को देखकर मेरी इच्छा जागृत हुई और मैंने स्वयं महादेवगढ़ मंदिर में आकर स्वेच्छा से सनातन धर्म को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि मेरा अन्य भटके हुए युवाओं से भी आग्रह है कि हमारे पूर्वजों का डीएनए राम-कृष्ण से ही मिलता है।

इसलिए वे भी आएं और स्वयं के कल्याण के साथ विश्व कल्याण के लिए सनातन धर्म स्वीकार करें। मंदिर के संरक्षक अशोक पालीवाल ने कहा कि ऐसे कई परिवार हैं, जो अपने घर में अपने पूर्वजों से प्रेरित होकर रामकृष्ण की पूजा करते हैं, उन्हें हिम्मत देकर वापस लाना होगा।

यही कार्य रामानंदाचार्य जैसे कई संतों ने भी किया है। महादेवगढ़ मंदिर में एक वर्ष में 40 मुस्लिम युवक-युवतियों ने सनातन धर्म में प्रवेश किया है।

25 फीट ऊंचाई से गिरी लोहे की राड वृद्ध के गले के पास कंधे में धंसी, मौत

जबलपुर। सिविल लाइंस इलाहबाद बैंक के चौराहा पर यूनीपोल में फ्लैक्स लगाते समय एक लोहे की राड नीचे गिरी। लगभग 25 फीट ऊंचाई से गिरी राड नीचे बैठे एक वृद्ध के गले के पास कंधे में जाकर धंस गई। लगभग आठ इंच तक राड के अंदर धंसने से वृद्ध को गहरा घाव हुआ।

उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक वीएफजे के सेवानिवृत्त कर्मी किशन कुमार रजक (64) है। वे सब्जी लेने के लिए निकले थे। यूनीपोल के पास एक सब्जी का ठेला लगता है।उससे सब्जी लेने के बाद वृद्ध यूनीपोल के नीचे एक कुर्सी पर बैठकर बातचीत करने लगे, तभी घटना हो गई। पास ही स्टाप वन कंपाउंड में रहने वाले वृद्ध के स्वजन तुरंत पहुंच गए। वृद्ध को निजी अस्पताल लेकर गए। जहां, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

एक आयोजन का फ्लैक्स लगाते समय घटना, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना शनिवार को दोपहर में हुई।, दो श्रमिक यूनीपोल में लगे फ्लैक्स के ऊपर एक दूसरा फ्लैक्स लगा रहे थे।, इसी दौरान ऊपर से एक लोहे की राड नीचे गिरा।, रविवार को बरगी समाधि मार्ग पर एक सांस्कृतिक संगठन का कार्यक्रम है।, कार्यक्रम में कई बड़े राजनेता आ रहे है। इन्हीं नेताओं के स्वागत के फ्लैक्स यूनीपाल के ऊपर लगाए जा रहे थे।

पिता लगाते हैं सब्जी का ठेला, सरकारी स्कूल में हुई पढ़ाई... अब MPPSC परीक्षा में पाई सफलता

भोपाल । मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा शनिवार को घोषित राज्य सेवा परीक्षा 2022 के परिणाम में भोपाल के कई प्रतिभागियों ने सफलता अर्जित की है। 878 अंक के साथ रमशा अंसारी का डीएसपी के पद पर चयन हुआ है।

इसी प्रकार बैरागढ़ निवासी आशीष सिंह चौहान ने 841 अंक और नेहरू नगर निवासी साक्षी जैन ने 847 अंक हासिल कर शिक्षा विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर का पद हासिल किया है। आशीष ने बताया कि मैं इस सफलता का श्रेया अपने माता-पिता, परिवार वालों के साथ गुरुओं को देना चाहूंगा।आशीष ने कहा, मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। मैंने बैरागढ़ के शासकीय स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद हमीदिया कॉलेज से बीए, एमए किया। हम बैरागढ़ में किराये के मकान में रहते थे।

मेरे पिता अजब सिंह सब्जी का ठेला लगाते हैं। बड़े भैया साड़ी की दुकान पर काम करते हैं। मेरी मां संगीता चौहान गृहणी हैं। फिलहाल मैं इंदौर से पीएचडी कर रहा हूं।

साक्षी जैनवहीं साक्षी के मामा कमल जैन ने बताया कि साक्षी के पापा महेंद्र जैन ठेकेदारी करते हैं और मां कल्पना जैन गृहणी हैं। साक्षी वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के अतिरिक्त और कुछ नहीं कर रही हैं। उनका परिवार मूलतः पृथ्वीपुर (टीकमगढ़) का रहने वाला है। भोपाल में पिता का ठेकेदारी का व्यवसाय होने के कारण परिवार अब भोपाल में निवासरत है।डीएसपी बनने जा रहीं भोपाल की रमशा अंसारी ने एक्सीलेंस कालेज से बीए आनर्स किया है। रमशा ने एमपीपीएससी के इस एग्जाम में 878 अंक हासिल किए हैं। इनके पिता मोहम्मद अंसारी कृषि विभाग में यूडीसी, मां संजीदा अंसारी गृहणी हैं। तीसरी बार में उन्हें यह सफलता मिली है।

रमशा डिप्टी कलेक्टर में भी फर्स्ट वेटिंग रही हैं। वह रोजाना 11 से 12 घंटे पढ़ाई करती थीं। परिवार का भी बहुत सपोर्ट मिला था।

...मिल गया महाकुंभ में वायरज मोनालिसा का घर

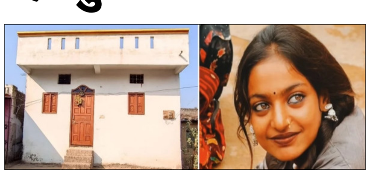

खरगोन। प्रयागराज महाकुंभ में खूबसुरत आंखों वाली माला बेचने वाली मोनालिसा वायरल है और पूरे सोशल मीडिया पर छाई हुई है। मोनालिसा मप्र के खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली है। महेश्वर मोनालिसा महेश्वर में कई वर्षों से निवास कर रही है, फिलहाल मोनालिसा माता-पिता के साथ माला बेचने महाकुंभ गई है।कच्चा माल लाकर बनाते हैं माला

मोनालिसा के दादा लक्ष्मण ने बताया कि वह 20 साल पहले पट्टे मिले हैं। उन्होंने बताया कि वह वाराणसी, हरिद्वार से कच्चा माल लेकर आते हैं, यहां मालाएं बनाते हैं। एक माला 20 रुपये से लेकर 10 हजार रुपये की होती है। इसमें रुद्राक्ष सहित अन्य मोतियों की माला होती है। कई वर्षों से कर रहे माला का व्यापारमौनालिसा के दादा ने बताया कि परिवार कई वर्षों से मालाएं बनाकर बेचता है। इसमें ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर सहित अन्य धार्मिक स्थलों या मेलों में माला बेचने जाते हैं।

सौरभ शर्मा ने अनुकंपा नियुक्ति आवेदन में बड़े भाई को छिपाया

ग्वालियर- परिवहन विभाग के जिस पूर्व आरक्षक के पास काली कमाई का खुलासा हुआ है, उसने पिता की जगह पर अनुकंपा नियुक्ति के प्रारूप आवेदन में बड़े भाई सचिन शर्मा की जानकारी ही नहीं दी थी। अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर फर्जीवाड़ा पहले ही दिन से किया गया था।

सौरभ शर्मा का अनुकंपा नियुक्ति आवेदन सामने आया है। इसमें मां और खुद की जानकारी ही परिवार के रूप में लिखी है। इसी आवेदन पर तत्कालीन सीएमएचओ के हस्ताक्षर व सील हैं और अंत में सौरभ शर्मा के भी हस्ताक्षर हैं। सौरभ ने खुद की पूरी जानकारी इस प्रारूप में लिखी थी और पता 47 विनय नगर सेक्टर दो ग्वालियर लिखा था। इस मामले में लोकायुक्त एसपी से शिकायत भी की गई है।

क्या है हाथ से लिखे अनुकंपा नियुक्ति आवेदन में

सौरभ शर्मा ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए दिसंबर 2015 में अपने हाथों से आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में भरकर हस्ताक्षर किए थे। इसमें अनुकंपा नियुक्ति के फार्म की प्रति संलग्न है। इसमें उसने अपने पिता का पूरा नाम राकेश कुमार शर्मा लिखा है।

पिताजी की मृत्यु की तिथि नवंबर 2015 लिखी है। शैक्षणिक अर्हता के विवरण में बीएससी

(बायो), पीजीडीसीए लिखा है। परिवार के सदस्यों में मां उर्मा शर्मा व खुद की जानकारी लिखी है।

जिस बड़े भाई सचिन शर्मा की जानकारी छिपाई थी, वह सितंबर 2013 को शासकीय सेवा में आ चुका था और रायपुर वित्त विभाग के कार्यालय में सहायक संचालक के पद पर आडिट सेल में कार्यरत है।

यदि यह महत्वपूर्ण जानकारी सौरभ शर्मा अनुकंपा नियुक्ति के फार्म में भर देता तो उसकी अनुकंपा नियुक्ति नहीं हो पाती। इस मामले में शिकायतकर्ता संकेत साहू ने शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

सौरभ ने झूठी शपथ पर किए थे हस्ताक्षर

अनुकंपा नियुक्ति के लिए भरे गए निर्धारित प्रारूप फार्म में घोषणा पत्र भी भरा गया था। इसमें लिखा है कि कोई भी जानकारी यदि असत्य पाई जाती है तो अनुकंपा नियुक्ति रद की जा सकेगी। इस मामले में तत्कालीन सीएमएचओ की भूमिका भी कटघरे में है।

साथी आरक्षक पाराशर की संपत्ति की भी शिवपुरी में पड़ताल

वहीं सौरभ के करीबी साथियों की पड़ताल भी की जा रही है। सौरभ शर्मा के चार साथी आरक्षक हैं, जिनके जरिए वह अपना नेटवर्क ऑपरेट करता था। सौरभ शर्मा के विभाग को छोड़ने के बाद भी उसके करीबी काली कमाई के काम को संभाल रहे थे। इन चारों में एक गौरव पाराशर नाम का आरक्षक भी है, जो मूलत- शिवपुरी का रहने वाला है।

हाल ही में जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों की टीम गोपनीय रूप से शिवपुरी जिले के पिछोर में पहुंची थी। यहां पास के सिरसौद गांव में रुकी और संपत्तियों की पड़ताल की है। कुल दो दिन अधिकारियों की टीम रुकी। टीम को पड़ताल में गौरव के पास 25 एकड़ जमीन पता चली है। आरक्षक धनंजय चौबे, हेमंत जाटव, नरेंद्र सिंह भदौरिया और गौरव पाराशर की पूरे परिवहन विभाग में धाक थी, जैसा ये चाहते थे, वैसा हो जाता था।

गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही विभाग के मूल मंत्र जो लोक निर्माण से लोक कल्याण के संकल्प को सिद्धि तक ले जायेंगे – मंत्री श्री सिंह

इंदौर। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग की संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रशासनिक अकादमी भोपाल के साथ प्रदेश के समस्त संभागीय मुख्यालयों में एक साथ किया गया। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सड़क, भवन और पुल निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण और परियोजना प्रबंधन के विषय पर केंद्रित थे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विभाग में गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता, जवाबदेही, नवीन तकनीकों के उपयोग और अन्य राज्यों के अध्ययन से सीखे गए अनुभवों के साथ विभाग में किये जा रहे अन्य सकारात्मक प्रयासों से समस्त उपस्थित अभियंताओं को अवगत कराया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश के सभी संभागों में एक साथ आयोजित किया गया, जहां प्रमुख अभियंता सहित समस्त मुख्य अभियंताओं ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहकर विभाग के उपयंत्री तक सभी अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में ईएनसी से लेकर उपयंत्री स्तर तक के लगभग 1200 इंजीनियर शामिल हुए ।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रशिक्षण कार्यशालाओं को एक साथ संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की सड़कें, पुल और भवन संरचनाएं केवल भौतिक निर्माण नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के सपनों को साकार करने के साधन हैं। उन्होंने प्रदेश के भविष्य के निर्माण में अभियंताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मंत्री श्री सिंह ने कहा ÷जब आप कोई सड़क बनाते हैं, तो वह केवल लोगों को जोड़ने का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह संभावनाओं का मार्ग बन जाती है।

मंत्री श्री सिंह ने नवाचार और आधुनिक तकनीकों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज का युग नवाचार का युग है। नवीन तकनीकों को अपनाकर हम बेहतर निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने अभियंताओं से कहा की वे निर्माण प्रक्रिया में सस्टेनेबिलिटी, रीसाइक्लिंग और री-यूज को प्राथमिकता दें।

मंत्री श्री सिंह ने ÷गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही÷ को विभाग का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि हर निर्माण परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श होनी चाहिए। उन्होंने कहा की विभाग निविदा शर्तों में सकारात्मक बदलाव की तैयारी कर रहा है जिसके तहत कार्य की गुणवत्ता के लिए सख्त मापदंड तय किए गए हैं साथ ही निर्माण सामग्री की कड़ी जांच और प्रयोगशालाओं के उन्नयन जैसे कदम भी उठाए हैं।

श्री सिंह ने पारदर्शिता की दिशा में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए लोकपथ मोबाइल की चर्चा की जो ने केवल सड़कों की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करती है, बल्कि जनता को विभागीय कार्यों में भागीदार भी बनाती है। उन्होंने कहा कि लोकपथ एप ने कम समय पर राष्टीय स्तर पर अपनी पहचाहन स्थापित कर ली है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के पास प्राकृतिक संपदा, सांस्कृतिक विरासत और मेहनती अभियंताओं का अद्वितीय संगम है। यह समय है कि हम सब मिलकर 'विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करें।

उन्होंने अभियंताओं से कहा की वे अपने कार्य को केवल एक पेशा न समझें, बल्कि इसे समाज और प्रदेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी के रूप में देखें।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विभाग के इंजीनियरों के लिए ष्टक्रश्वढ्ढ, ढ्ढढ्ढरूऔर ढ्ढढ्ढज्ञ

जिले में 469 नई लोकेशन पर संपत्ति पंजीकरण के लिए नई गाइडलाइन तैयार की जा रही है

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के मध्य में संपत्तियों की गाइडलाइन बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया गया था, लेकिन इसको लागू नहीं किया जा सका। इंदौर जिले में भी वर्ष के मध्य अक्टूबर में 469 लोकेशन पर बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया था।

इन लोकेशन के प्रस्ताव को अब वित्तीय वर्ष 2025-26 की गाइडलाइन में शामिल किया जाएगा। हालांकि यहां पर बढ़ोतरी की दरें फिर से तय होंगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 की नई गाइडलाइन तैयार करने का कार्य शुरू हो चुका है।

31 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया- इंदौर जिले में वर्तमान में 5154 लोकेशन पर दस्तावेज पंजीकृत किए जा रहे हैं। इनमें से 469 लोकेशन पर वर्ष के मध्य में 0 से 31 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया था। शासन की अनुमति नहीं मिलने के कारण इसको लागू नहीं किया जा सका।

इन सभी लोकेशन पर तय गाइडलाइन से अधिक दर पर दस्तावेज पंजीकृत हो रहे हैं। अब आगामी गाइडलाइन में इन लोकेशन को शामिल किया जाएगा। वरिष्ठ पंजीयक अमरेश नायडू का कहना है कि गाइडलाइन बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

इसमें साल के मध्य में चयनित 469 लोकेशन को भी शामिल किया जाएगा। यहां बढ़ोतरी की दरों का निर्धारण फिर से होगा। पहले प्रस्तावित बढ़ोतरी की दरे लागू नहीं होगी।नए सिरे से होगी प्रक्रिया- वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि गाइडलाइन के प्रस्ताव नए सिरे से तैयार किए जाएंगे। शासन से निर्देश मिलने के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू कर दस्तावेजों का आंकलन किया जा रहा है। उप मूल्यांकन समिति की बैठक में प्रस्ताव तैयार कर जिला मूल्यांकन समिति को भेजे जाएंगे।

यहां से प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद दावे-आपत्ति का निराकरण कर केंद्रीय मूल्यांकन समिति को भेजा जाएगा।साल के मध्य में चयनित सभी लोकेशन भी नई प्रक्रिया में शामिल होगी।120 नई कॉलोनियां ?की गई थीं चयनित- वर्ष के मध्य अक्टूबर में हुई गाइडलाइन बढ़ोतरी की प्रक्रिया में जिले की 120 नई लोकेशन को गाइडलाइन में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार हुआ था।

स्वतंत्रता संग्राम सैनानी स्व. श्री श्यामकुमार आजाद की पुण्यतिथि पर एमवाय हास्पिटल में निःशुल्क भोजन वितरण

इंदौर। स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी स्व. श्री श्यामकुमार आजाद की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को याद करते हुए एमवाय हास्पिटल परिसर में एक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सैनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन परमालिया, उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार आजाद, श्री संजय जयंत, श्री जयेश जोशी एवं श्री आजाद के परिजनों द्वारा निऱ्शुल्क भोजन वितरण किया गया। राम रोटी द्वारा इस आयोजन में हजारों जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जो उनकी सेवा भावना और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को सम्मानित करने का एक अद्भुत तरीका था। यह आयोजन सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि भी था।

इंदौर से प्रयागराज जा रही बस ने रायसेन में 18 गायों को कुचला, 13 की मौत

इंदौर। इंदौर से प्रयागराज जा रही यात्री बस ने बाड़ी के पास राष्टीय राजमार्ग-45 पर सड़क पर बैठी 18 गायों को कुचल दिया। इस हादसे में 13 गायों की मौत हो गई और 5 गायें घायल हैं। बस जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बताया जा रहा है कि अन्नपूर्णा ट्रैवल्स रीवा की यात्री बस (क्रमांक एमपी 41 जेडएफ 9068) इंदौर से 52 तीर्थयात्रियों और 4 स्टाफ को लेकर प्रयागराज जा रही थी। शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 1 बजे ग्राम सिरवास के पास बस ने सड़क पर बैठी गायों को कुचल बताया जा रहा है कि ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में यह हादसा हुआ। घटना के बाद बस मौके से फरार हो गई, जिसे सूचना मिलने पर देवरी पुलिस ने पकड़ा। हादसे से बस में सवार यात्री घबरा गए थे, उन्हें सुबह रूटीन बस से जबलपुर भेजा गया, जहां से दूसरी बस का इंतजाम कर उन्हें प्रयागराज रवाना किया गया।

यातायात सुधार मुहिम के तहत फुटपाथ पर किए गए कब्जे को हटाया गया

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आज शनिवार को भी सघन रूप से इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिये मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि के सहयोग से की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई। फुटपाथ पर रखे सामान भी बड़ी मात्रा में जप्त किए गए।

इंदौर में यातायात सुधार के लिये चलाई जा रही मुहिम के तहत संयुक्त कार्रवाई की गई। झोन क्रमांक 17 के अंतर्गत बाणगंगा ब्रिज से के.के. यादव पेट्रोल पम्प तक यातायात में बाधक 2 ट्रक सामान जप्त किया गया। साथ ही 60 से अधिक टीन शेड और 28 से अधिक चढ़ाव हटाये गये। कुल 86 टू व्हीलर एवं कार जप्त की गई। एसडीएम श्री ओम नारायण सिंह बड़कुल एवं जोनल अधिकारी श्री नरेंद्र कुरील एवं ट्रैफिक टी.आई. श्रीमती सीमा भण्डारी, नगर निगम स्टाफ एवं पुलिस बल उपस्थिति रहा।

रिमूवल की टीम द्वारा होमगार्ड के बल के साथ यातायात को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया। रोड के दूसरी तरफ करीब 200 लोगों को चेतावनी दी गई और दुकानदारों को अवैध कब्जे को हटाने का समय दिया गया। आम जन स्वेच्छा से भी अतिक्रमण हटाने लगे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी – विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

सिंहस्थ महाकुंभ से उज्जैन बनेगा वैश्विक धार्मिक पर्यटन गंतव्य

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ महाकुंभ अद्भुत सामाजिक समागम है, इससे समाज की दिशा तय होती है। पहले लोग कुंभ के मेले में तय हुई दिशा को लेकर जाते थे और समाज में बदलाव के लिए काम करते थे। समय के साथ परंपराओं में बदलाव आया है, किन्तु हमें अपनी जड़ों और मूल्यों के महत्व को समझना होगा। धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित सिंहस्थ की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी मानना है कि कुंभ केवल एक मेला ही नहीं, अपितु विश्व को परंपराओं के नवोन्मेष की शिक्षा व संदेश देने वाले शानदार प्रबंधन का एक अद्भुत उदाहरण है। दुनिया को इसे केस स्टडी के तौर पर अपनाना चाहिए।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में जुटी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारियों में जुटी है, जिसमें विकास और अधोसंरचना के काम शुरू किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प लिया है कि सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालुओं को क्षिप्रा नदी के निर्मल जल में ही स्नान कराया जाए और क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं शुद्ध जल का प्रवाह सदा के लिये सुनिश्चित कर उसे सही अर्थों में पुण्य-सलिला और सदानीरा बनाया जाए, साथ ही पारिस्थितिकी संतुलन भी बना रहे। इस संकल्प की पूर्ति के लिए उज्जैन में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी, कान्ह क्लोज डक्ट एवं हरियाखेड़ी परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं और 18 बैराज एवं स्टॉप डेम बनाए जा रहे हैं। इससे क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष निर्मल जल प्रवहमान रहेगा, साथ ही उज्जैन को शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ कुंभ के सफलआयोजन से उज्जैन को एक प्रमुख वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित करना चाहते हैं।

परियोजनाएं की होगी पाक्षिक समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ आयोजन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागीय कार्यों को समय-सीमा में पूरा किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी कार्यों की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा हो रही है। वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर इनकी सतत निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उज्जैन और इंदौर जिलों में निर्माण कार्य और मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन के लिए टेंडर प्रक्रिया मार्च 2025 तक पूरी कर सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर सितंबर 2025 तक पूरे कर लिए जाएं।

अकादमी में गूंजा 'अरे दीवानों, मुझे पहचानों, कहाँ से आया, मैं हूँ कौन'

गायक योगेश यादव 'जीवन संगीत सेवा सम्मान' से सम्मानित

उज्जैन। भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थानीय शाखाओं के कर्मचारियों, अधिकारियों और विकास वाहिनी की संस्था 'जीवन संगीत' के तत्वावधान में कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में हिन्दी फिल्मों के गीतों की संगीत संध्या का रंगारंग आयोजन किया गया। जिसमें गायकों ने फ़िल्मी गीतों से समां बांधा।

गायक प्रकाश बांगर ने फिल्म डॉन के गीत अरे दीवानों, मुझे पहचानों, कहाँ से आया, मैं हूँ कौन से खूब तालियाँ पाई। मुम्बई की गायिका निर्मला परमार ने अपने गायन से सभी को रोमांचित किया। पूर्णिमा नाटाणी (प्यार हुआ चुपके से), विनय गुप्ता (दीवाने का नाम तो पूछो), योगेश यादव (जब मोहब्बत जवान होती है/ ज़िद् न करो), विजय जोशी (ख्वाब हो तुम या), सुरेंद्र मालवीय (ओ दूर के मुसाफिर/ तुम रूठो ना हसीना) जैसे गीत सुनना अत्यंत प्रीतिकर रहा। संध्या में कलाकार योगेश यादव, सुनील बावनिया, विनय गुप्ता, विजय जोशी, रवि चौबे, सुरेन्द्र मालवीय, भालचंद्र कुलकर्णी, प्रकाश बांगर, विनोद मातवनकर, विश्वनाथ शिंदे, पूर्णिमा नाटानी, मोहन परिहार ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। गायक योगेश यादव को उनकी अनवरत कला साधना के लिए 'जीवन संगीत सेवा सम्मान' सम्मानित किया गया। अतिथि गायक नवतेज सिंह को भी सम्मानित किया गया। संगीत संध्या के अतिथि शाखा प्रबन्धक परसराम मिश्र, फिल्म समीक्षक शशांक दुबे, अशोक भाटी, डॉ. हरीशकुमार सिंह, बी के खंडेलवाल, शैलेश लेले, विजय अग्रवाल थे। अतिथि स्वागत संस्था जीवन संगीत के अध्यक्ष अनिल कुरेल, अमित मिश्रा, रतन रायकवार, विजय जोशी, बलदेव भाटिया आदि ने किया। सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह परसराम मिश्र ने प्रदान कर सम्मानित किया। संगीत संध्या में रवि गुप्ता, टीसी सूर्यवंशी, राजेन्द्र नागर, अंजू सुराना सहित बड़ी संख्या में श्रोता दर्शक उपस्थित रहे।

विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा राहगीरी पर ड्रोन टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने राहगीरी कार्यक्रम के दौरान ड्रोन की कार्य प्रणाली और इसके अनुप्रयोगों पर एक विस्तृत प्रायोगिक प्रदर्शन आयोजित किया। इस आयोजन का उद्देश्य शहर के नागरिकों और युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक से परिचित कराना और इसके महत्व को रेखांकित करना था।

विक्रम विश्वविद्यालय ने वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने और उज्जैन के छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकी पाठ्यक्रमों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन पायलट ट्रेनिंग सहित कई पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इन पाठ्यक्रमों के तहत छात्रों को तकनीकी कौशल में निपुण बनाकर रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। राहगीरी के अवसर पर ड्रोन टेक्नोलॉजी का जीवंत और प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया।

रूप रस गंध, फूलों सी महक–सत्यनारायण सत्येन्द्र

उज्जैन। रूपान्तरण दशहरा मैदान पर ग़ज़लांजलि की काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में अशोक रक्ताले ने प्रयाग में चल रहे कुम्भ पर घनाक्षरी सुनायी। विनोद काबरा ने शब्दों की महिमा पर काव्य प्रस्तुत किया तो दिलीप जैन ने क्षणिकाएँ सृष्टि के रंगमंच पर दर्शक हम, किरदार भी हम ही हैं सुनायी। सत्यनारायण सत्येन्द्र ने मौसम में मधुमास की गंध को महसूस करते हुए रूप रस गंध, फूलों सी महक, मादकता घोल रही, यौवन सा नशा छाने लगा, मन शराबी हो गया कविता सुनायी। रामदास समर्थ ने पहचान कर अपनी खुशी रखिये दिल में सहेजकर, दी दस्तक सुनहरी सुबह ने देखिये ज़रा फेर कर अपनी नज़र... से गोष्ठी में मधुमास का वातावरण बनाए रखा। प्रफुल्ल शुक्ला ने राजनीति पर व्यंग प्रस्तुत किया शहर शहर चल रहा था प्रचार सजा था सौदेबाजी का बाज़ार एक नेता कुछ बाँटकर जाता तो दूसरा तराजू से तौलकर जाता। शायर विजयसिंह गेहलोत ने दीवार पर टंगी हुई तस्वीर की तरह, ये ज़ीस्त है बिगड़ी हुई तकदीर की तरह ग़ज़ल सुनायी। गुज़रे हैं क्या बताएँ हम किस किस मुकाम से उठने लगा यकीन अब रिश्तों के नाम से ग़ज़ल डॉ. अखिलेश चौरे ने सुनायी। डॉ. विजय सुखवानी ने वक्त वक्त की बात है वक्त वक्त की बात, होगी कल सुबह वहीं जहाँ अँधेरी रात ग़ज़ल से अपनी बात रखी। आशीष अश्क ने पिता से बिछड़ने पर ग़ज़ल जिस दम हम वालिद घर से रुखसत होते हैं, दूर यकायक सर से छत से हो जाती है सुनायी। शायर आरिफ़ अफ़ज़ल ने बहुत अज़ीज़ बड़े मोहतरम से लगते हैं, तुम्हारे ग़म हमें अपने ग़म से लगते हैं ग़ज़ल सुनाकर सभी को मन्त्र मुग्ध किया।

धनवंतरी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय में हुई प्राइमरी ट्रामा केयर ट्रेनिंग

160 से अधिक चिकित्सकों ने लिया कार्यशाला में हिस्सा

उज्जैन। लाइफ लाइन फाउंडेशन गुजरात द्वारा शासकीय आयुर्वेदीक धनवंतरी चिकित्सालय में प्राइमरी ट्रामा केयर ट्रेनिंग की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में 160 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। भाग लेने वाले चिकित्सकों ने सुदूर गांव से आकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि के रूप में निगम सभापति कलावती यादव मौजूद रहीं। वहीं विशेष अतिथि के रूप में विधायक अनिल जैन, मनीष अग्रवाल सचिव आरोग्य भारती उज्जैन मौजूद रहे। आयुर्वेदीक कालेज के प्राचार्य डॉ जे पी चौरसिया के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में संयोजन डॉ दिवाकर पटेल, डॉ मुकेश गुप्ता, डॉ हेमंत मालवीय, डॉ अनिल पांडे का रहा। प्रभारी प्राचार्य डॉ ओ पी व्यास की उपस्थिति में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ सभापति कलावती यादव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात धनवंतरी वंदना की गई। कलावती यादव ने प्राइमरी ट्रामा केयर ट्रेनिंग की उपयोगिता, आवश्यकता बताते हुए विभिन्न मार्गों में लगने वाले टोल नाको पर कर्मचारियों को आवश्यक बताया। समाज परिवार के हर व्यक्ति को सीपीआर की सही जानकारी और उसकी सही ट्रेनिंग होना चाहिए। जिससे अचानक हृदय से संबंधित समस्या होने पर लक्षण के अनुसार प्रारंभिक सहायता किया जा सके। लाइफ लाइन फाउंडेशन गुजरात ने सभी उपस्थित चिकित्सकों को आकस्मिक चिकित्सा संबंधी सभी जानकारी थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों प्रदान किया। संचालन प्रो. डॉ दिवाकर पटेल प्रोक्टोलॉजिस्ट ने किया।

सरस्वति शिशु विद्या मंदिर उमावि मारुतिगंज में हुआ पूर्व छात्र सम्मेलन

उज्जैन। सरस्वति शिशु विद्या मंदिर उमावि मारुतिगंज में विद्या भारती की योजनानुसार पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक विशाल पांचाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बलराम भट्ट अध्यक्ष माधव सेवा न्यास समिति भारत माता मंदिर थे। विशेष अतिथि संदीप परिहार लेफ्टिनेंट कर्नल भारतीय थल सेना व पूर्व छात्र मारुतिगंज, महेंद्र भगत विभाग समन्वयक उज्जैन विभाग रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुराग जैन पूर्व छात्र प्रांत संयोजक विद्या भारती मालवा द्वारा की गई। पूर्व छात्र भैया बहिनों द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। अतिथि परिचय प्राचार्य प्रतिभा पलसावदिया द्वारा किया गया। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक विशाल पांचाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व पूर्व आचार्य स्व. श्री देवेंद्र सीकरवाल आचार्य जी के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित की गई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com